>

Title : Need to provide training to tourist guides who successfully passed the examination in 2007.

श्री अर्जुन राम मेघवाल (बीकानेर): माननीय अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे मैटर आफ अर्जेंट इम्पार्टेंस के तहत मुद्दा उठाने की अनुमति दी है, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान बहुत महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। दिल्ली में कॉमन वैल्थ गेम्स अक्टूबर, 2010 में होने वाले हैं। इसके लिए बहुत से इफ्रास्ट्रक्चर क्रिएट किए जा रहे हैं। भारत सरकार की तरफ से कुछ हार्डवेयर इन्टरवेंशन है और कुछ सॉफ्टवेयर इन्टरवेंशन है। लेकिन टूरिस्ट गाईड से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर सरकार का ध्यान नहीं गया है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि जब विदेशी मेहमान आएंगे तो उन्हें गाईड करने की जरूरत पड़ेगी कि कौन सा आईटम कहां से खरीदना है तब यहां, जो लपके अवेलेबल हैं, वे विदेशी मेहमान को लपक लेंगे और विदेशी वापिस जाकर कहेंगे कि हमें इंडिया का टेस्ट ठीक नहीं आया। मान लीजिए कोई विदेशी मेहमान आता है और उसे हैंडीक्राफ्ट का कोई आइटम जैसे पचफेरा खरीदना है। पचफेरा 5000 रुपए का भी होता है और 50000 रुपए का भी होता है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि राजस्थान में ब्लू पॉटरी 500 रुपए की भी मिलती है और 5000 रुपए की भी मिलती है। इसी तरह से कॉर्पेट 5000 रुपए का भी मिलता है और अगर कोई हैंड निटिड बढ़िया कार्पेट हो तो वह 50000 रुपए तक का भी मिलता है। कॉमन वैल्थ गेम्स के लिए टूरिस्ट गाईड की भी व्यवस्था होनी चाहिए ताकि जब विदेशी मेहमान आएं तो वे देख सकें कि उनको कहां ठहराएंगे, कहां खरीदारी कराएंगे, दिल्ली ढंग से कैसे दिखाएंगे। इन्हें इंडिया के टूरिस्ट प्लेस को दिखाने का मौका मिलेगा। मैं आपके माध्यम से खेल मंत्री जी का और पर्यटन मंत्री जी का ध्यान टूरिस्ट गाईड के सॉफ्टवेयर इंटरवेंशन की ओर आकर्षित करना चाहता हूं।

महोदया, वर्ष 2007 में एक परीक्षा भी ली गई थी और फीस भी ली गई थी लेकिन कोई ट्रेनिंग नहीं दी गई। अगर ट्रेनिंग दे दी जाए तो हजारों बेरोजगार लोगों को काम मिल जाएगा।